

बर्ष:- 06

अंक:- 68

मुरादाबाद

(Sunday)

28 June 2026

पृष्ठ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

# कयू न लिखू सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड  
RNI No.UPBIL/2021/83001



मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

## ओला-उबर की टक्कर में क्या अब नया खिलाड़ी? गुटबाजी पर अखिलेश यादव सख्त, इन बड़े नेताओं को लखनऊ बुलाकर दी हिदायत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस लॉन्च कर दी है, यह ड्राइवर्स के स्वामित्व वाली देश की पहली कैब सर्विस है। जानिए कैसे यह को-ऑपरेटिव मॉडल कैब सेक्टर में बदलाव लाएगा क्या आप भी निजी कैब कंपनियों की मनमानी और कैसिलेशन की समस्याओं से परेशान हैं? अब इस समस्या का एक नया और ठोस समाधान %को-ऑपरेटिव मॉडल% (सहकारी ढांचे) के जरिए सामने आया है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में भारत

टैक्सी सर्विस को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह भारत का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे तौर पर इसे चलाने वाले ड्राइवर्स के पास होगा। भारतीय मोबिलिटी सेक्टर में इस पहल को ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। भारत टैक्सी की शुरुआत कहाँ हुई और इसके विस्तार की क्या योजना है? लॉन्चिंग के पहले चरण में इस सेवा को गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है। सरकार और सहकारिता मंत्रालय का लक्ष्य बेहद आक्रामक है; उन्होंने अगले एक महीने के भीतर इस सर्विस के ऑपरेटिंग का विस्तार पूरे गुजरात राज्य में करने की योजना बनाई है। इस नए को-ऑपरेटिव मॉडल की जरूरत



क्यों पड़ी? लॉन्चिंग कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ टैक्सी सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है और आज यह जरूरत हर घर तक पहुंच गई है। उन्होंने साफ किया कि प्राइवेट सेक्टर की टैक्सी सेवाओं में कई तरह की दिक्कतें उभर कर सामने आ रही थीं, जिससे परेशान होकर आम जनता और ड्राइवर्स दोनों ने ही उनसे मुलाकात कर समाधान

की उम्मीद जताई थी। इसी वजह से एक नए सहकारी ढांचे को विकसित करने का निर्णय लिया गया। अमित शाह के अनुसार, जब यह मुद्दा सामने आया, तो शुरुआत में यह विचार भी आया था कि सरकार को प्राइवेट कैब कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए एक नया कानून बनाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल एक नया कानून बना देना किसी भी समस्या का 100 प्रतिशत समाधान नहीं हो सकता। यही कारण है कि सिर्फ कानूनी बंदिशों पर निर्भर रहने के बजाय सरकार ने एक ऐसा बिजनेस मॉडल तलाशने का फैसला किया जो बुनियादी रूप से ही शोषण से मुक्त हो। इस बिजनेस मॉडल के पीछे का सबसे बड़ा विचार कैब सेक्टर से शोषण-आधारित व्यापार को खत्म करना है। जब टैक्सी सर्विस को-

ऑपरेटिव मॉडल पर चलेगी, तो मुनाफे और कंट्रोल का एक बड़ा हिस्सा सीधे ड्राइवर्स के पास रहेगा, जिससे प्राइवेट कंपनियों द्वारा होने वाला शोषण खुद ही कम होने लगेगा। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने सहकारिता के माध्यम से कई अन्य सेक्टरों में शानदार सफलता हासिल की है, इसलिए यही मॉडल टैक्सी सेक्टर की समस्याओं का भी एक सार्थक और प्रभावी समाधान बन सकता है। कुल मिलाकर, %भारत टैक्सी% का यह नया प्रयोग भारतीय मोबिलिटी सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा कदम है। अगर गुजरात में यह पायलट प्रोजेक्ट सफलता हासिल करता है, तो यह देश भर में राइड-हेलिंग बिजनेस के तौर-तरीकों को हमेशा के लिए बदल सकता है।

मुरादाबाद की गुटबाजी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सख्त दिखाई दिए हैं। उन्होंने स्थानीय नेताओं के पेंच कसे हैं। पीडीए बैठक से सांसद रुचि वीरा को दूर रखने के विवाद पर उन्होंने लखनऊ में पांच नेता तलब किए। बैठक में उन्होंने मुरादाबाद के पांच प्रमुख नेताओं को बुलाकर पूरे मामले की जानकारी ली और साफ संदेश दिया कि गुटबाजी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाजवादी पार्टी में मुरादाबाद की सियासत इन दिनों अंदरूनी खींचतान के कारण गरमाई हुई है। पीडीए बैठक में सांसद रुचि वीरा को न बुलाने और कार्यक्रम के पोस्टर-बैनरो से उनका फोटो गायब रहने के विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि आखिरकार सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को खुद हस्तक्षेप करना पड़ा।

बृहस्पतिवार को लखनऊ में हुई अहम बैठक में उन्होंने मुरादाबाद के पांच प्रमुख नेताओं को बुलाकर पूरे मामले की जानकारी ली और साफ संदेश दिया कि गुटबाजी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सांसद रुचि वीरा, राज्यसभा सांसद जावेद अली, पूर्व मंत्री एवं विधायक कमल अख्तर, जिलाध्यक्ष जयवीर यादव और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, सबसे पहले रुचि वीरा ने अपनी शिकायत रखते हुए कहा कि मुरादाबाद में उनके खिलाफ लगातार माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीडीए बैठक में उन्हें जानबूझकर नहीं बुलाया गया और पोस्टरों से उनका फोटो भी हटाया गया। इसके पीछे



उन्होंने कमाल अख्तर की भूमिका होने की बात कही। स्थानीय स्तर पर गुटबाजी करने वाले नेताओं से नाराज हैं सांसद रुचि वीरा ने अखिलेश यादव से साफ कहा कि उनकी नाराजगी पार्टी या राष्ट्रीय नेतृत्व से नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर गुटबाजी करने वाले नेताओं से है। उनका कहना था कि इस विवाद से भाजपा को सपा पर महिलाओं के सम्मान को लेकर सवाल उठाने का मौका मिल गया। वहीं, कमाल अख्तर ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह केवल आमंत्रित होने पर कार्यक्रम में पहुंचे थे। आयोजन और पोस्टर तैयार कराने से उनका कोई संबंध नहीं था। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि सांसद बनने के बाद रुचि वीरा ने भी अपने पोस्टरों और होर्डिंग्स में किसी विधायक या वरिष्ठ नेता को जगह नहीं दी, इसलिए उन पर लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद हैं। जावेद अली ने भी खुद को अलग-अलग बताते हुए कहा कि वह मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए थे। किसे बुलाया गया और किसका फोटो लगाया गया, इसकी

जानकारी उन्हें नहीं है। बैठक के दौरान अखिलेश यादव ने जिलाध्यक्ष जयवीर यादव और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी से भी तीखे सवाल किए। उन्होंने पूछा कि संगठन में गुटबाजी क्यों बढ़ रही है और पीडीए बैठक के आयोजन की अनुमति पार्टी मुख्यालय से क्यों नहीं ली गई। महानगर संगठन की कार्यप्रणाली पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। जिलाध्यक्ष जयवीर यादव ने सफाई देते हुए कहा कि कार्यक्रम का आयोजन महानगर अध्यक्ष की ओर से किया गया था। वह केवल जिला अध्यक्ष होने के नाते वहां पहुंचे थे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले के सभी नेताओं को साथ बैठकर मतभेद दूर किए जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि बैठक के अंत में अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही सभी नेताओं को आपसी मतभेद धुलाकर संगठन को मजबूत करने और भविष्य में ऐसी शिकायत दोबारा न आने देने की हिदायत दी। लखनऊ में बैठक में मेरे साथ सांसद रुचि वीरा, राज्यसभा सांसद जावेद अली, पूर्व मंत्री एवं विधायक कमल अख्तर और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी शामिल थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि यह समय आपसी खटास का नहीं है। सभी को 2027 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए। सभी को मिलकर पार्टी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कहा है। - जयवीर यादव, जिलाध्यक्ष

### संक्षिप्त समाचार

**शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गाय को गोमाता दर्जा दिलाने का लिया संकल्प, सरकार पर साधा निशाना**  
शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शनिवार को बदायूं के उझानी पहुंचे। उन्होंने यहां लोगों से संवाद किया और गाय को गोमाता का दर्जा दिलाने का संकल्प किया। इस दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। बदायूं में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शनिवार को उझानी में गाय को गोमाता का दर्जा दिलाने का संकल्प लिया। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। शंकराचार्य ने कहा कि गाय को पशु कहना पाप है और जो लोग इसे गोमाता नहीं मानते, वे पाप कर रहे हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया कि उन्होंने सरकार से गाय को गोमाता घोषित करने की मांग की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को 40 दिन का समय दिया था। यह समय सीमा बीत जाने के बाद भी गाय को माता घोषित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इस कारण उन्हें उत्तर प्रदेश की हर विधानसभा की यात्रा पर निकलना पड़ा है। गाय को गोमाता न कहने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से पूछा कि जो गाय को मां नहीं कह पाए, क्या आप ऐसे लोगों को वोट देना चाहेंगे। उन्होंने सनातन के नाम पर राजनीति करने वालों की भी आलोचना की। शंकराचार्य ने कहा कि ऐसे नेताओं को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। गोमांस व्यापार पर चिंता-शंकराचार्य ने गोमांस व्यापार कम न होने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में गाय के संरक्षण पर जोर दिया जाता है।

### राम मंदिर चढ़ावा चोरी: चंपत राय और अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव ने की पुष्टि

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर पहला बयान सामने आया है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने इसकी पुष्टि कर दी है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दर्ज एफआईआर के बाद बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। मामले में पहला बयान सामने आया है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले शुक्रवार को दिनभर चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की खबर हवा में तैरती रही, लेकिन अब इसकी आधिकारिक पुष्टि हो गई है। चढ़ावा चोरी



का मामला छह जून को सामने आया था। ट्रस्ट की मांग पर 13 जून को जांच के लिए गठित एसआईटी ने 23 जून को गृह विभाग को प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी, जिसमें एफआईआर दर्ज करने समेत कई अहम सिफारिशें की गई थीं। आरोपियों को भेजा गया जेल- इसके बाद बृहस्पतिवार को चंपत राय के करीबी टिप्पू यादव, गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश I, मनीष, अविनाश I, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा के खिलाफ राम

जन्मभूमि थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। सभी आरोपियों से रातभर चली पूछताछ के आधार पर 79.85 लाख रुपये बरामद किए गए। आरोपियों को शुक्रवार दोपहर मेडिकल परीक्षण के बाद लगभग चार बजे कचहरी ले जाया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। चंपत राय और अनिल मिश्रा की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी कहा कि दो ट्रस्टियों पर आरोप हैं। इस तरह दोनों पर काफी दबाव है। सूत्रों ने बताया, पुलिस इनकी भूमिका की जांच कर रही है। टिप्पू चंपत का करीबी था एवं अनुकल्प व लवकुश, मिश्रा के रिश्तेदार ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने रिपोर्ट दर्ज कराई, पर आरोपियों के पिता के नाम व

पते नहीं बताए। गणना कर्मियों का विवरण भी नहीं दिया। गोपाल राव पर भी सवाल कायम- निर्माण सहायक गोपाल राव न तो ट्रस्ट में पदाधिकारी हैं, न सदस्य। पर मंदिर प्रबंधन के अहम फैसलों व गतिविधियों में उनकी भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं। उनके रिश्तेदार का नाम भी जांच के दायरे में बताया जा रहा है। हालांकि, उनके खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा, अभी तक इस्तीफा नहीं हुआ है, बाकी भगवान जाने। मीडिया में चलाकर-चलाकर चंपत जी का इस्तीफा ले ही लेंगे। जांच होने तक कुछ नहीं बोलूंगा- जब तक एसआईटी जांच चल रही है, तब तक कोई बयान नहीं दूंगा।

## गाजा पर चुप्पी समझ से परे: सोनिया गांधी ने सरकार को घेरा, बोलीं- भारत अपने पुराने सहयोगियों से भी हुआ दूर

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गाजा मुद्दे पर मोदी सरकार की चुप्पी को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारत फलस्तीन, ईरान और पश्चिम एशिया के अपने पारंपरिक सहयोगियों से दूर हो गया है। सोनिया गांधी ने सरकार की नीति को राष्ट्रीय हितों और नैतिक दृष्टि से गलत बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने भी उनके लेख का समर्थन किया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गाजा में जारी संघर्ष को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया

कि गाजा में इस्त्राएल की कार्रवाई पर केंद्र सरकार की पत्थर जैसी चुप्पी न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि राष्ट्रीय हितों के नजरिये से भी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भारत ने फलस्तीन, ईरान और पश्चिम एशिया के अपने पारंपरिक सहयोगियों से दूरी बना ली है और इस कारण देश की कूटनीतिक स्थिति प्रभावित हुई है। लेख में सोनिया गांधी ने कहा कि गाजा में बच्चों और आम नागरिकों पर हो रहे हमलों को देखते हुए भारत को अपनी आवाज उठानी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि दुनिया के कई देशों ने गाजा में इस्त्राएल की कार्रवाई को लेकर चिंता

जताई है, लेकिन भारत इस मुद्दे पर चुप है। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत की ऐतिहासिक विदेश नीति उपनिवेशवाद विरोध, राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय शांति के सिद्धांतों पर आधारित रही है, लेकिन मौजूदा समय में देश उस रास्ते से दूर होता दिख रहा है। सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर क्या आरोप लगाए? केंद्र सरकार ने गाजा मुद्दे पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है। सरकार की चुप्पी को नैतिक या रणनीतिक आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत वैश्विक जनमत से दूर होता जा रहा है। भारत को मानवीय आधार पर फलस्तीनी लोगों के पक्ष में



आवाज उठानी चाहिए। गाजा में आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाने पर जोर दिया। विदेश नीति को लेकर सोनिया गांधी ने क्या कहा? सोनिया गांधी ने दावा किया कि भारत धीरे-धीरे इस्त्राएल के रणनीतिक दायरे में जाता दिख रहा है, जबकि

दुनिया के कई देश गाजा मुद्दे पर अलग रुख अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने फलस्तीन, ईरान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को कमजोर किया है। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि इससे पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है, जबकि ऐतिहासिक रूप से भारत इस भूमिका के लिए बेहतर स्थिति में था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस्त्राएल को लेकर क्या टिप्पणी की? कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस्त्राएल यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में प्रधानमंत्री की इस्त्राएल

यात्रा एक हैरान करने वाला रणनीतिक फैसला साबित हो सकती है। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत की विदेश नीति हमेशा संतुलित और स्वतंत्र रही है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में उसमें बदलाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस बदलाव का असर भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ सकता है। कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी के लेख पर क्या कहा? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी के लेख को साझा करते हुए कहा कि यह लेख भारत की विदेश नीति पर गंभीर सवाल उठाता है। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने

कहा कि सोनिया गांधी ने अपने लेख के माध्यम से भारत से स्वतंत्र विदेश नीति, मानवीय मूल्यों और गाजा मुद्दे पर स्पष्ट नैतिक रुख अपनाने की अपील की है। सोनिया गांधी के आरोपों पर केंद्र सरकार की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, गाजा और पश्चिम एशिया के मुद्दे पर सरकार पहले भी कह चुकी है कि भारत शांति, संवाद और दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है। ऐसे में सोनिया गांधी के ताजा बयान के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

संपादकीय Editorial

Beyond police transfers:

The Himachal government is once again fueling the firestorm by changing the Superintendents of Police (SPs) in all the police districts of the Kangra revenue district. Furthermore, the Superintendent of Police of Bilaspur has also been transferred. It depends on the government's policy and intentions when it chooses to grant or curtail the powers of an officer, but in the context of Kangra, these transfer orders send a broader message. In particular, the manner in which Ashok Ratna has been replaced at the headquarters in Kangra is no mere reward. He is being replaced by Kulbhushan Verma, a Himachal cadre HPS officer. Bilaspur's former SP, Sandeep Dhawal, is now on his way to Dehra, while Shimla's Additional Superintendent of Police, Abhishek, will reinvent Bilaspur's police system. By assigning Ilma Afroz to the border region of Kangra, the government has highlighted a significant issue. Furthermore, some senior police officers are taking on new responsibilities. Just a year and a half before the elections, the government is getting an opportunity to improve its image, the public its reputation, and the department its background. In its experiments with the police system, the Sukhu government has initiated a new shift in law and order. The current spate of transfers is expected and also holds promise for qualitative change. The state's police system is currently signaling the collapse of the tourist season. If traffic jams continue to persist under the government's watch, change is inevitable. Numerous locations, such as the Atal Tunnel, Manali, McLeodganj, Shimla, Dalhousie, Kasauli, Nerchowk, Kullu, Baijnath, Jogindernagar, Palampur, Mataur Chowk, and numerous religious sites, require not just a Superintendent of Police (SP) but also on-the-ground police personnel to control traffic. A significant number of constables are needed, otherwise, the harsh experiences of tourists are tarnishing Himachal's image. The daily social media debate between Himachal and various states is a false narrative. If the state's peace is being compromised by improper parking, transportation operations, and abusive language, we can see this in the backlash of illegal extortion and unrest on the Punjab border. We have repeatedly stated that the police system in Himachal Pradesh cannot handle all responsibilities under a single uniform. Crime has evolved so much with human progress and information technology that it has its own resources and methods. We must establish separate tourist police at every tourist destination, while traffic police uniforms should patrol every intersection and road, day and night. Furthermore, police commissionerates should be established in important municipal areas or district headquarters, and work should be distributed between urban and rural police. Creating three police districts in Kangra is proving insufficient, so in addition to establishing another police district in Palampur, a police commissionerate should be established in Dharamshala. Furthermore, considering the traffic growth rate on four-lane roads over the next ten years, a comprehensive system based on highway policing will be necessary. While the police headquarters may be located in Shimla, all police responsibilities cannot be distributed from Shimla. Therefore, many wings or branches associated with the police headquarters will now have to be shifted elsewhere. In view of industrial unrest, a border monitoring headquarters could be established in BBN, while a traffic control headquarters could be located in central Hamirpur. Similarly, a headquarters for research, studies,

Policy Continuity and the Impact of Tough Decisions in Uttarakhand

Any government should be judged not just by announcements, but by the policy decisions that impact the state's administrative, social, and economic direction. Leading a state like Uttarakhand, which is geographically, socially, and ecologically sensitive, has always been challenging. In the 26 years since its formation, ten Chief Ministers have come to power, each attempting to shape development in accordance with their own priorities. Among these, the late Narayan Dutt Tiwari's industrial and infrastructure development is particularly noteworthy. However, Chief Minister Pushkar Singh Dhami's tenure stands out in that it saw the adoption of several decisions that had been postponed for a long time due to political risks. Any government should be judged not just by announcements, but by the policy decisions that impact the state's administrative, social, and economic direction. The Dhami government's most celebrated and far-reaching initiative was the implementation of the country's first Uniform Civil Code (UCC). While debate continues over its constitutional validity and practical aspects, it is undeniable that Uttarakhand led the national discourse on this issue. Developing a uniform legal framework for sensitive issues like marriage, divorce, inheritance, and property was no easy task in a state with diverse social groups. This initiative has established Uttarakhand as a national policy laboratory, and many other states have also shown interest in this direction. The anti-cheating law, which concerns the future of youth and administrative credibility, can also be considered a decision in this category. Paper leaks and irregularities in recruitment exams had long eroded youth confidence. Following this law, which includes stringent punitive provisions, the recruitment exam process has become more transparent and timely. The progress in the recruitment process for thousands of posts reflects an effort to restore youth's trust in the system. The decision to grant 30 percent horizontal reservation to women in government jobs is not only a matter of

social justice but also a means to strengthen the mountain economy. In Uttarakhand's rural areas, women are the mainstay of agriculture, water conservation, and the family economy. Increasing employment opportunities can also help foster economic stability and control migration at the local level. Regarding law and order and administrative resilience, the government has clearly established its policy stance by tightening anti-conversion laws, launching campaigns against illegal encroachments, and taking action against mafia and organized crime. Supporters consider this an establishment of the rule of law, while critics question its social impact. Such debates are natural in a democratic system, but it is significant that the government has not shied away from taking decisions on these issues. Another significant achievement of the Dhami government's tenure relates to equal opportunities and the protection of local interests. In keeping with the spirit of the statehood movement, efforts have been made to increase the

participation of local youth in various services and prioritize local employment in investment projects. This has given new relevance to the core objectives of the statehood movement. On the economic front, Uttarakhand's connectivity has seen significant changes. The Delhi-Dehradun Expressway, the Chardham All-Weather Road, the Rishikesh-Karnprayag Rail Project, expanded helicopter services, and the expansion of the road network in border areas are key components of the state's development strategy. The impact of these projects will not be limited to tourism, but will also be significant for the marketing of agricultural products, disaster management, and defense. The Global Investors Summit, organized to attract investment, also placed Uttarakhand more prominently on the national investment map. While the implementation of investment agreements remains a challenge, investment opportunities in the industrial, tourism, energy, and service sectors have given new impetus to the state's economic aspirations. New industrial policies, startup incentives, and efforts to promote tourism-based entrepreneurship are also noteworthy. In the tourism sector, the government has adopted a strategy to move beyond traditional religious tourism and promote winter tourism, adventure tourism, home-stay models, border tourism, and cultural tourism. If this effort continues over the long term, the benefits of tourism can reach remote villages, not just a few cities. However, any balanced analysis requires a discussion of the challenges. The biggest challenge facing Uttarakhand is the balance between development and the environment. Increasing construction activities in the Himalayan region, uncontrolled urbanization, forest fires, landslides, and the effects of climate change constantly raise concerns that development models must be in harmony with the local ecology. Incidents like Joshimath have made it clear that merely announcing projects is not enough; their environmental sensitivity is equally important. Another major challenge is migration. Despite improvements in road, rail, and digital connectivity, the outflow of population from remote villages has not completely stopped. This will require strengthening local employment, quality education, health services, and the agriculture-based economy. Similarly, the true test of the zero-tolerance policy on corruption will be when its effectiveness is demonstrated from the secretariat to the block and village levels. Overall, Chief Minister Pushkar Singh Dhami's working style has created a distinct identity in Uttarakhand politics. His tenure has been characterized not only by the number of schemes, but also by the political will to take decisions on issues considered controversial and difficult. Policy courage can be the hallmark of any government, but its ultimate success will be measured by the visible changes in the lives of the people. In the coming years, it will become clear how successful these current decisions prove in making Uttarakhand a more economically self-reliant, administratively more efficient, and socially more balanced state.

A large Stone Age archaeological site has been discovered near the Jayanti Mata Temple in Khandwa.

An important Stone Age archaeological site, spread over 6 kilometers, has been discovered on the northern bank of the Narmada River in Khandwa. Tools from the Lower to Microlithic periods have been found here, demonstrating ancient human technology and continuous settlement. The Narmada Valley has been a highly significant region for Indian prehistoric studies. This valley provides evidence of human settlement, stone tools, and cultural development from various periods. In this context, an important Stone Age archaeological site has been identified in Khandwa district, near the confluence of the Narmada River tributaries, Kaneri and Khari, and in the vicinity of the Jayanti Mata Temple, located within the Narmada footpath. This discovery was made during a survey conducted by Dr. Shubham Kewalia, Assistant Professor at Shaheed Bhagat Singh College, Delhi University, Simran Sambhi (Investigation Officer, Assam State Archaeology Department), Gaurav Gupta (Research Scholar, Allahabad University), and Ankit Sariya (Research Scholar, Vikram University). Survey results indicate that the site spans an area of approximately 6 kilometers and bears evidence of numerous activities related to stone tool production. Three major cultural zones were identified at the site, where large quantities of stone tools, waste materials, and cores were recovered. This evidence clearly indicates that the area was not only a site of tool use but also an important hub of tool-making activity. Among the artifacts recovered from the site are core-and-flake-based chopper-chopping tools, handaxes, cleavers, discoidal/radial cores and flakes, scrapers, and microlithic tools. The technological and typological characteristics of these tools represent Lower Paleolithic, Middle Paleolithic, Upper Paleolithic, and Microlithic traditions. This suggests that human activity in the region may have been continuous over a long period of time. Locally available stone materials were used in the manufacture of tools, including quartzite, chert, and granite. An important feature of the site is that technological traditions from different periods are reflected in a single area. This helps us understand the processes of human technological evolution, resource use, and cultural change. This discovery is particularly significant in the context of previously unearthed archaeological evidence in the Narmada Valley, as it offers new insights into regional cultural continuity and human settlement. Previously, during the construction of the Indira Sagar Dam, extensive surveys were conducted along the south bank of the Narmada River, uncovering numerous archaeological sites. However, this survey and discovery on the north bank of the Narmada in Nimar is particularly significant because we know of very few archaeological sites on the north bank. Furthermore, within a 15- to 16-kilometer radius of this site, we have recovered Stone Age tools from various locations, potentially highlighting this entire region as a center of important prehistoric activity. The researchers have conducted detailed documentation, mapping, and preliminary analysis of the site. In the future, systematic excavations, geoarchaeological studies, and scientific dating techniques will further elucidate the chronology and cultural significance of this site. This discovery will not only contribute significantly to the prehistoric study of the Narmada Valley, but will also provide an important basis for understanding the cultural development and technological advancement of Stone Age humans in the Indian subcontinent.

## प्रेमी के लिए मासूम का कत्ल!: 13 साल पहले मीनू ने सुरेंद्र से की थी लव मैरिज, पति को छोड़ किराये पर रहती थी वो

मुरादाबाद में दो साल के बच्चे की गला घोटकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप उसकी मां पर लगा है। परिवार का आरोप है कि मां ने ही प्रेमी के साथ मिलकर मासूम की गला दबाकर हत्या की गई है। वहीं, मां का दावा है कि उसके बच्चे को अचानक खून की उल्टियां आई थीं। मुरादाबाद के मूंडापांडे में पति से अलग किराये के मकान में रह रही महिला के दो साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की दादी, ताऊ और पिता ने मां पर ही हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से पोस्टमार्टम कराने की मांग की। शुक्रवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे की गला घोटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। बच्चे की मां मीनू का दावा है कि उसके बच्चे को अचानक खून की उल्टियां आई थीं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आने के तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कर रही है। अब तक इस मामले में रिपोर्ट दर्ज



नहीं हुई है। मूंडापांडे थाना क्षेत्र के सहरिया गांव निवासी सुरेंद्र टूक चालक है। उसने करीब 13 साल पहले हरिद्वार निवासी मीनू से शादी की थी। दंपती के दो बेटियां सलोनी और रोहिणी हैं जबकि दो बेटे अरुण और वरुण हैं। सुरेंद्र मुंबई में टूक चला रहा है। सुरेंद्र के भाई विजेंद्र ने बताया कि मीनू करीब ढाई माह पहले अपने चारों बच्चों को लेकर सहरिया से मूंडापांडे आ गई थी और यहीं किराये पर रह रही

थी। यहां वह अलग अलग मकान में किराये पर रही और करीब 15 दिन से सुरेंद्र सिंह के मकान में रह रही थी। बच्चे के गले पर थे चोटों के निशान-विजेंद्र का कहना है कि उन्हें बृहस्पतिवार की शाम पता चला कि सुरेंद्र के बेटे की मौत हो गई है। उन्होंने इसकी जानकारी सुरेंद्र को फोन पर दी। इसके बाद विजेंद्र और उनकी मां शिवदेई मूंडापांडे पहुंच गए। उन्होंने देखा कि बच्चे के गले पर चोटों के निशान थे। उन्होंने

इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उन्होंने मीनू और उसके प्रेमी पर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उधर मीनू का दावा है कि उसके बेटे को बृहस्पतिवार की दोपहर खून की उल्टियां आई थीं। वह बच्चे को लेकर अस्पताल गई थी वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में

लेकर पोस्टमार्टम कराया। शुक्रवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि गला घोटकर बच्चे की हत्या की गई थी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि इस मामले में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर संदिग्धों से पूछताछ कर सच सामने लाया जाएगा। इसके बाद बच्चे की हत्या का खुलासा किया जाएगा। 13 साल पहले मीनू ने सुरेंद्र से किया था प्रेम विवाह-परिवार के लोगों का दावा है कि मीनू और सुरेंद्र के बीच करीब 13 साल पहले फोन के जरिए जान पहचान हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होती थी। इसके बाद मीनू मूंडापांडे के सहरिया गांव में आ गई थी और सुरेंद्र से कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसके बाद दोनों साथ साथ रहने लगे थे। इस दौरान मीनू को चार बच्चे हुए। सुरेंद्र के भाई विजेंद्र का आरोप है कि मीनू की एक अन्य युवक से जान पहचान हो गई। जिसके बाद सुरेंद्र और मीनू

के बीच विवाद रहने लगा। मीनू का कहना है कि पति शराब पीकर उसके साथ आए दिन मारपीट करता है। जिस कारण वह अपने बच्चे को साथ लेकर मूंडापांडे में किराये के मकान में रह रही है और जीरो प्वाइंट के पास एक फैक्टरी में काम करती है। उसने अपने बच्चे की हत्या नहीं की है। बच्चे का जन्म दिन मनाने पैतृक घर गई थी-मीनू का कहना है कि 28 जून को उसके छोटे बेटे वरुण का जन्म दिन था। उसने अपने पति से फोन पर बात की थी कि वह अपने बच्चे का जन्म धूम धाम के साथ मनाना चाहती है। वह बृहस्पतिवार की सुबह सहरिया गांव में अपने घर की सफाई करने गई थी मीनू का आरोप है कि वहां उसके साथ मारपीट की गई और उसे वहां से भागा दिया था। इसके बाद वह मूंडापांडे वापस आई तो देखा कि बच्चे की तबीयत खराब है। वह उसे लेकर अस्पताल चली गई थी।

## संक्षिप्त समाचार मुरादाबाद में चला बुलडोजर: रिलायंस डिजिटल का शोरूम सील, अवैध निर्माण किए ध्वस्त, सड़क कराई खाली

मुरादाबाद में नगर निगम ने अतिक्रमण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ अभियान चलाते हुए शोरूम को सील कर दिया। निगम ने शहर के अनेक इलाकों में भी अवैध कब्जे हटाए। इससे पहले एमडीए



कई कोचिंग सेंटर, मैरिज हॉल और अस्पतालों पर कार्रवाई कर चुका है। मुरादाबाद में अतिक्रमण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ नगर निगम ने शुक्रवार को अभियान चलाया। कांठ रोड पर निगम का बुलडोजर गरजा और सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाने के साथ ही रिलायंस डिजिटल के शोरूम पर भी बड़ी कार्रवाई की गई। बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने और सड़क पर अतिक्रमण कर पार्किंग कराने के आरोप में शोरूम के परिसर को सील कर दिया गया। नगर निगम की टीम जैसे ही कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची, वहां मौजूद कर्मचारियों ने विरोध जताया। आरोप है कि टीम के निर्देश के बावजूद सड़क पर खड़ी गाड़ियां हटाने में सहयोग नहीं किया गया। इसके बाद प्रवर्तन दल की मदद से सड़क खाली कराई गई और पूरे परिसर का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। अधिकारियों के अनुसार, इसके लिए आवश्यक वैध अनुमति या एनओसी प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके बाद निगम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बेसमेंट के साथ-साथ ग्राउंड फ्लोर को भी सील कर दिया। इस शोरूम में एलईडी टीवी, मोबाइल फोन, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री की जाती थी। इसी अभियान के तहत नगर निगम ने दिल्ली रोड, कांठ रोड और सोनकपुर स्टेडियम रोड पर भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। सड़क किनारे लगी अवैध रेहड़ियां, अस्थायी कब्जे और ग्रीन बेल्ट पर किए गए अतिक्रमण हटाए गए। निगम अधिकारियों ने कई स्थानों पर जेसीबी चलाकर अवैध निर्माण भी ध्वस्त कराए। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि शहर में नियमों का उल्लंघन करने वाले कई अन्य परिसरों को भी चिह्नित किया गया है। आने वाले दिनों में उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क, फुटपाथ और ग्रीन बेल्ट पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण तथा बिना अनुमति संचालित गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर, शहर में अवैध निर्माण और मानकों के उल्लंघन पर मुरादाबाद विकास प्राधिकरण भी लगातार सख्ती बरत रहा है। एमडीए अब तक 11 कोचिंग सेंटर, छह मैरिज हॉल और चार अस्पतालों को सील कर चुका है। नगर निगम और एमडीए की लगातार कार्रवाई से नियम तोड़ने वालों में हलचल है।

## बिजली गुल-गुस्सा फुल: अंधेरे में रहीं पांच कॉलोनियां, सड़क पर उतरे लोग, मुरादाबाद डीएम आवास के बाहर हंगामा

मुरादाबाद की पांच कॉलोनियों में लगातार बिजली कटौती से नाराज लोगों ने डीएम आवास के बाहर प्रदर्शन किया। लोगों ने विद्युत निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद एडीएम सिटी ने मौके पर पहुंचकर जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कराने और बिजलीघर की व्यवस्था की जांच कराने का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। मुरादाबाद के दिनबुधपुरम बिजलीघर से जुड़ी पांच कॉलोनियों में देर रात तक बिजली न आने से परेशान लोगों ने शुक्रवार देर रात को डीएम आवास के बाहर प्रदर्शन किया। विद्युत निगम के खिलाफ नारेबाजी की। नाराज लोगों का कहना था कि बैंक कॉलोनी, खुशहालपुर, विवेक विहार, सिद्धार्थ के सैकड़ों लोग रोजाना रात में बिजली कटौती झेल रहे हैं। अधिकारियों को फोन करो तो कॉल रिसीव नहीं होती। बिजलीघर के स्टाफ का एक ही जवाब होता है कि एबीसी केबल में आग लग गई है। तीन दिन से लोग रात में



इसी परेशानी से जूझ रहे हैं। शुक्रवार रात नौ बजे से गुल हुई बिजली 12 बजे तक नहीं आई तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। अधिकारियों ने इसके बाद भी फोन नहीं उठाए। परेशान लोग रात में डीएम आवास पहुंचकर नारेबाजी की। सुरक्षाकर्मियों ने डीएम तक सूचना पहुंचाने का आश्वासन देकर लोगों को समझाने की कोशिश की लेकिन बात नहीं बनी। लोगों का कहना था कि

बिजली न आने तक वह वापस नहीं जाएंगे। देर रात एक बजे एडीएम सिटी और सिविल लाइंस थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझाया। लोगों ने एडीएम सिटी को सारी परेशानी बताई। उन्होंने विद्युत निगम के अधिकारियों से समन्वय कर जल्द सप्लाई सुचारु कराने का आश्वासन दिया। एडीएम सिटी ने लोगों के साथ बिजलीघर पर जाकर व्यवस्था

जांचने का आश्वासन भी दिया। प्रदर्शन करने वालों में रजत पंडित, संदीप सागर, ब्रजमोहन, आदित्य, विपुल शर्मा समेत 50 से 60 लोग शामिल रहे। बिजली चोरी के आरोप में बीस के खिलाफ एफआईआर दर्ज-दलपतपुर बिजलीघर की टीम ने विभिन्न गांवों में अभियान चलाकर 20 लोगों के घरों में बिजली चोरी पकड़ी। सभी आरोपियों के खिलाफ बिजली अधिनियम की धारा 135 के

तहत बुद्धि विहार स्थित एंटी पावर थैफ्ट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बिजली निगम की टीम ने दलपतपुर, सरकड़ा खास, भीतखेड़ा और भगतपुर विद्युत बिजलीघरों से जुड़े क्षेत्रों में जांच की। जांच के दौरान खानपुर कस्बा, बीजना, दादपुर, मलवाड़ा उर्फ मानपुर, ठिरियादान, मुंडिया, जैतपुर का मंझरा और हीरापुर समेत कई गांवों में उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते पाया गया। मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरसिया ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 20 उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गए, जिनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बिजली की आंख-मिचौली से शहर बेहाल, झेलनी पड़ी गर्मी की मार - भीषण गर्मी के बीच बिजली व्यवस्था एक बार फिर लड़खड़ा गई। बृहस्पतिवार देर रात से शुक्रवार दोपहर तक शहर के कई इलाकों में बार-बार ट्रिपिंग और

लंबी बिजली कटौती से लोग बेहाल रहे। बुद्धि विहार, रामगंगा विहार, हरथला, दीवान का बाजार, दौलत बाग, करूला और जिगर कॉलोनी समेत कई मोहल्लों में तीन से चार घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। उमस भरी रात में बिजली गायब होने से लोगों की नौद उड़ गई, जबकि दिन में भीषण गर्मी ने परेशानी और बढ़ा दी। बिजली गुल होते ही पंखे, कूलर और एसी बंद हो गए। कई घरों में पानी की मोटर नहीं चल सकी, जिससे सुबह पेयजल का संकट भी खड़ा हो गया। इनवर्टर लंबे कट के कारण जवाब दे गए और छोटे बच्चों, बुजुर्गों व मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ी। शहर में विभिन्न स्थानों पर मुहरम के जुलूस के कारण सप्लाई एहतियातन रोकी गई है। इसके अलावा कई ट्रांसफार्मरों पर ओवरलोडिंग की समस्या है। लोगों की परेशानी की जानकारी हमें मिल गई है। जल्द से जल्द समाधान कराया जा रहा है। - अशोक कुमार चौरसिया, मुख्य अभियंता

## सीओ और थाना प्रभारी की गाड़ी में मारी टक्कर, रोका तो भाग निकले, आरोपी नशे की हालत में गिरफ्तार

मुरादाबाद में पुलिस टीम पर कार चढ़ाने की कोशिश करने और थाना प्रभारी की गाड़ी में टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नशे की हालत में थे। इनमें से तीन युवक पहले हत्या के मामले में जेल जा चुके और थाना प्रभारी की गाड़ी में टक्कर मारने वाले कार सवार हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि कार सवार चार युवकों ने नशे की हालत में एक बाइक में कार ने पहले पुलिस कर्मियों को कुचलने की कोशिश की पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें अभय विश्णोई, दीप विश्णोई, बिलारी के नंगला कमाल थाना क्षेत्र के सैदपुर जसकोली निवासी जतिन चौधरी जेल जा चुके हैं। चौथा आरोपी जतिन चौधरी इनका साथी थाना क्षेत्र में पुलिस टीम को कुचलने की कोशिश के थाने में भी रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह कार्रवाई सिविल पर की गई है। जिसमें उन्होंने बताया कि 24 जून की रात 11.35 बजे दीन दयाल नगर में मेरी कार में पीछे से दूसरी कार में सवार लोगों ने तीन बार टक्कर मारी। धमकी देकर चले गए। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। यह था मामला- पीलीकोठी चौराहे के पास बुधवार की रात करीब 12 बजे सीओ कटथर गौरव तिवारी की गाड़ी में कार सवारों ने टक्कर मार दी। कार सवार युवक नशे की हालत थे। सीओ और उनके हमराहों ने कार रुकवाने का प्रयास किया तो चालक ने कार दौड़ा दी। सीओ ने कंट्रोल रूम में सूचना दे दी। इसके बाद कार सवार युवक कांठ रोड से सोनकपुर पुल की ओर भाग गए। सूचना मिलने पर अलर्ट हुई मझोला थाने की पुलिस ने चौधरी चरण सिंह चौक के पास घेराबंदी कर कार रुकवा ली। इस दौरान मझोला थाना प्रभारी रविंद्र कुमार की गाड़ी में भी कार सवारों ने टक्कर मार दी। हालांकि कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने चारों युवकों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद उनका मेडिकल कराया गया।



हैं। मुरादाबाद में पुलिस टीम पर कार चढ़ाने की कोशिश करने चार आरोपियों को शुक्रवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया पीली कोठी चौराहे के पास बुधवार की रात करीब 12 बजे टक्कर मार दी। दिल्ली रोड पर चौधरी चरण सिंह चौक के पास फिर थाना प्रभारी की गाड़ी में टक्कर मार दी। शुक्रवार को बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र के भगवानपुर रैनी निवासी आजम निवासी मधुर चौधरी और संभल जिले के असमोली शामिल हैं। अभय, दीप और मधुर हत्या के मामले में पहले भी है। सिविल लाइंस थाने में भी दर्ज की प्राथमिकी- मझोला मामले में जेल भेजे गए आरोपियों के खिलाफ सिविल लाइंस लाइंस के दीन दयाल नगर निवासी श्याम प्रकाश की तहरीर

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र  
**दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच**  
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करें-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच  
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0ए0प्रिंटेड, ए-11, असाहतपुरा, लंगड़े की पुलिस, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।  
संपादक - नरेश राज शर्मा  
मो. 9027776991  
RNI NO- UPBIL/2021/83001  
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।  
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## कार बैक होने से दीवार में फंसे किसान की इलाज के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ बरेली। थाना भुता क्षेत्र के केसरपुरा गांव निवासी 42 वर्षीय अर्जुन कुमार की कार दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के चाचा ने बताया कि गुरुवार को अर्जुन अपने घर के बाहर खड़ी कार के पास पहुंचे थे। इसी दौरान कार अचानक बैक होने लगी। कार को रोकने के प्रयास में वह कार और दीवार के बीच फंस गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। अर्जुन की



◆ मृतक अर्जुन कन्नौजिया

चौख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों की मदद से उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया गया। चिकित्सकों ने उनका

उपचार शुरू किया, लेकिन शुरुवार रात उनकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी ममता का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे माता-पिता, पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। वह खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

## तीन एकड़ जमीन में बनेगा बस अड्डा, मिलेंगी 25 नई ई-बसें, देहात क्षेत्रों में भी संचालन की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। जल्द ही बरेली शहर को 25 नई ई-बसें मिलेंगी। इसके लिए नगरीय परिवहन निदेशालय और शासन के बीच पत्राचार चल रहा है। करीब तीन एकड़ जमीन पर आधुनिक ई-बस स्टेशन बनाने की भी तैयारी है। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति उपयुक्त भूमि की तलाश कर रही है। मिनी बाइपास समेत तीन स्थानों पर जमीन का निरीक्षण भी किया जा चुका है।



काफी कम है। नई ई-बसें के शामिल होने से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि निजी वाहनों पर निर्भरता भी कम होगी। नई बसें आने से पहले बस स्टेशन निर्माण की कवायद भी की जा रही है। जमीन फाइनल के बाद बस स्टेशन के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

प्रस्तावित बस अड्डे पर बसें की पार्किंग, यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, बसों के लिए चार्जिंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों को भी शहर से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। आसपास के कस्बों और ग्रामीण इलाकों के लिए नए रूट तय करने की योजना पर काम किया जा रहा है। परिवहन विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक मोहम्मद अजीम ने बताया कि शहरवासियों को बेहतर परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जीवी नई ई-बसें और बस अड्डे की योजना पर कार्य किया जा रहा है। निदेशालय ने शासन से पत्राचार किया है। भूमि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा।

## रेलवे लाइन किनारे मिला युवती का शव, ट्रेन से गिरने की आशंका

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। फतेहगंज पूर्वी बिलपुर स्टेशन से आगे रेलवे लाइन किनारे शुरुवार को एक 19 वर्ष की युवती का शव पड़ा मिला। पास मिले दस्तावेजों से युवती की पहचान बस्ती के गांव खरका देवरी निवासी 19 वर्षीय प्रिंसी के तौर पर हुई। ट्रेन से गिरकर मौत होने की आशंका है। जीआरपी ने युवती के परिजनों को सूचना दी है। बीते दिवस ग्रामीणों ने शव ट्रेक के किनारे पड़ा देखा। घटनास्थल पर पहुंचे आरपीएफ के चौकी इंचार्ज नरवीर सिंह व सिपाही कुलभूषण ने शव को निगरानी में लेकर जीआरपी बरेली को सूचना दी। जीआरपी ने युवती के कपड़ों की तलाशी ली तो उसके पास से आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित एक स्कूल का आईडी कार्ड मिला। जीआरपी ने युवती के परिजनों को किया सूचित - युवती की पहचान प्रिंसी के तौर पर हुई। स्कूल के आईडी कार्ड पर लिखे मोबाइल नंबर पर जीआरपी पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया। आरपीएफ चौकी प्रभारी नरवीर सिंह ने बताया कि 'खंभा नंबर 1273/09-11 के पास अप लाइन के किनारे युवती का शव पड़ा हुआ था। उन्होंने आशंका जताई कि ट्रेन से गिरने के दौरान युवती इस खंभे से टकरा गई होगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## नदी में नहाने गये साले बहनोई डूब कर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। थाना क्षेत्र के ग्राम अहिरौला निवासी रोहित 19 वर्षीय अपने बहनोई विवेक के सा कैलाश पुल के पास नदी में नहाने गये अचानक गहरे पानी में पहुंचकर डूब गए। जिससे उनकी मौत हो गई है। सूचना पर पहुंचे परिजन व पुलिस ने ग्रामीण गोताखोरों जाल डालकर ढूंढते रहे लेकिन 2 घंटे तक कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने आरोप लगा कि पुलिस खड़े-खड़े देखते रही, और पुलिस ने गोताखोरों बरेली से नहीं बुलाया। इसी बात से नाराज होकर परिजनों ने पुलिस को खरी खोटी सुनाते हुए रोड पर पर जाम लगा दिया। इधर सूचना पर एसडीएम फरीदपुर मौके पर पहुंच गए उन्होंने परिजनों को समझा बूझकर जैसे जैसे शांत कर जाम खुलवाया। लेकिन तब तक गोताखोर भी आ गए कड़ी मशकत के बाद दोनो शवों को पानी से निकाला। ग्राम अहिरौला निवासी ओमकर कश्यप के बड़े बेटे गोविंद ने बताया कि मेरा भाई रोहित 19 वर्षीय व ग्राम रोहनिया जिला पीलीभीत निवासी बहनोई विवेक कश्यप 22 वर्षीय लगभग सुबह 10:00



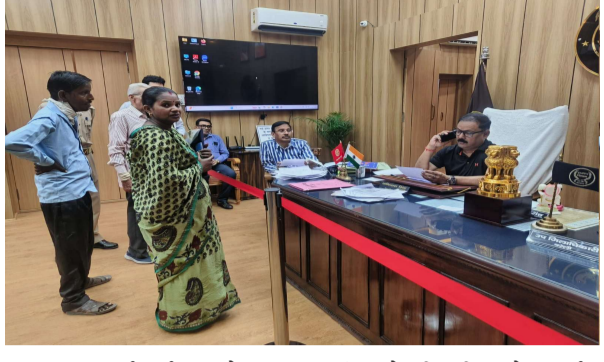
बजे घर से कैलाश पुल के पास नदी में नहाने के लिए गए थे। उसी समय दोनों साले बहनोई नहाते नहाते अचानक गहरे पानी में चले गए, जिससे वह डूबने लगे, आसपास के नदी किनारे जानवरों को नहला रहे ग्रामीणों ने देखा तो उन्होंने शोर मचाया। लेकिन तब तक में डूब गए, बाद में सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर परिजन भी पहुंच गये। इधर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी गांव के गोताखोरों को बुलाकर नदी में जाल डलवाकर कई घंटे तक खोजवीन करते रहे लेकिन सफल नहीं हुए। इधर परिजनों का गुस्सा फूटने लगा और उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि अभी तक बाहर से गोताखोर टीम को नहीं बुलाया। इसी बात को लेकर परिजनों व पुलिस से कहा सुनी होने लगी। नाराज परिजनों ने रोड पर जाम लगा दिया जिससे दोनों तरफ से वाहनों की लंबी कतार लग

गयी। लेकिन बाद में एसडीएम फरीदपुर व थाना प्रभारी निरीक्षक ने परिजनों को जैसे जैसे समझा कर आधे घंटे बाद जाम खुलवा दिया तब तक गोताखोर भी आ गये। गोताखोरों ने नदी में घुसकर कड़ी मशकत के बाद पहले रोहित बाद में विवेक को पानी से निकाला। दोनों मृत थे। तब पुलिस व परिजनों ने राहत की सांस ली। घर परिवार में भारी कोहराम मचा हुआ है। मृतक रोहित पांच भाई एक बहन है। बताया जाता है कि रोहित के बहनोई विवेक भतीजे जन्मदिन पर आए हुए थे। यह घटना घटित हो गई। जिससे उनका परिवार भी सदमे में है। विवेक की शादी पिछले फरवरी 26 में ही रोहित की बहन बनी के साथ हुई थी। पत्नी का रो रो का बुरा हाल है। इस घटना से क्षेत्रवासी भी स्तब्ध हैं। इधर परिजनों ने पीएम करने से मना कर दिया है और पुलिस को लिखकर दे दिया कि हम पोस्टमार्टम नहीं करायेगे। पुलिस ने दोनों शवों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। इस घटनास्थल पर एसडीएम फरीदपुर व सीओ फरीदपुर संदीप सिंह पहुंचकर जांच पड़ताल की।

## गंभीर बीमार मरीज के इलाज का उठाया डीएम ने उठाया जिम्मा...

मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद के लिए भेजी संस्तुति

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर गंभीर मरीज की मदद के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। जनसुनवाई के दौरान विकासखंड भुता क्षेत्र के ग्राम दौली रघुवर दयाल निवासी राजाराम अपनी पीड़ा लेकर जिलाधिकारी के पास पहुंचे। राजाराम किडनी और लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और उनका इलाज एसआरएमएस भोजीपुरा में चल रहा है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज में आ रही परेशानी को देखते हुए परिवार ने जिलाधिकारी से सहायता की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए शासन को संस्तुति पत्र भेज दिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीज को इलाज में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता कर जिला अस्पताल में आवश्यक उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, वहीं एसआरएमएस



प्रबंधन से भी मरीज को आर्थिक राहत देने के लिए बातचीत की गई। डीएम अविनाश की पहल से अब गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज को बेहतर इलाज मिलने की उम्मीद जगी है। प्रशासन का कहना है कि जरूरतमंद और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है, ताकि आर्थिक अभाव किसी मरीज के इलाज में बाधा न बनने पाए।

## कॉलेज एडमिशन में बड़ा खेल! मेरिट से नीचे 115 छात्रों की फीस जमा, एजेंसी की लापरवाही पर अभी तक कोई एक्शन नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। कॉलेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में चल रही प्रवेश प्रक्रिया में इस बार एजेंसी द्वारा जमकर लापरवाही की जा रही है। एक ओर जहां मेरिट से नीचे के 115 छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन फीस जमा करा ली। वहीं कंपार्टमेंट लगे वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश के लिए मैसेज भी दिया। इतना ही नहीं एक छात्र ने अप्लीकेशन में 2024 में हाईस्कूल व 2022 में इंटरमीडिएट करने की जानकारी दी इसे भी एजेंसी ने सही मानते हुए प्रवेश के लिए फीस जमा करा ली। वहीं प्राचार्य द्वारा गठित की गई जांच कमेटी को आज अपनी रिपोर्ट देनी थी, लेकिन जांच कमेटी की संयोजक के न



होने के कारण जांच नहीं हो सकी। मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. ए.के. सिंह ने प्राचार्य को पत्र लिखकर बताया कि 24 जून को उन्होंने मामले को पकड़ा तो एजेंसी के प्रतिनिधियों को चेताया था। वहीं बीए, बीएससी(बायो) और बीकॉम में कटऑफ से नीचे के छात्रों की फीस जमा हुई तो उन्होंने तुरंत एजेंसी के प्रतिनिधियों को फोन और वॉट्सऐप मैसेज के

माध्यम से इसे रोकने और फीस वापस करने को कहा। इसके बावजूद 25 जून को दोपहर को दोबारा कटऑफ से नीचे के छात्रों की फीस जमा क ली गई। प्रवेश नियंत्रक ने एजेंसी को सीधे तौर पर गलत मानते हुए प्राचार्य को जानकारी दी। प्राचार्य ने पांच सदस्यी कमेटी बनाकर शुरुवार दोपहर तक रिपोर्ट मांगी थी। जांच समिति की संयोजक उप-प्राचार्य प्रो. वन्दना शर्मा के न होने के कारण जांच पूरी नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर अब एजेंसी की और भी गलतियां लगातार प्रवेश समिति के पास पहुंच रही हैं। सोमवार को अब मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट प्राचार्य को दी जाएगी।

## बरेली में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह

### योजना को और गति देने की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2026-27 में नवविवाहित जोड़ों को दी जाने वाली उपहार 28 किलो 802 ग्राम डोडा पोस्त के साथ सिरौली पुलिस ने तस्क़र को किया गिरफ्तार साथी हुआ फरार



क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सिरौली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर 28 किलो 802 ग्राम अवैध डोडा पोस्त के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, दिनांक 27 जून 2026 को थाना सिरौली पुलिस टीम गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ग्राम रुखाड़ा मोड़ के पास सूचना मिली कि दो लोग सफेद बोरों में अवैध डोडा पोस्त लेकर ग्राम मुगलपुर प्रथम की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने ग्राम भजनई से मुगलपुर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर दी पुलिस को देखकर एक आरोपी भाग निकला, जबकि यादराम पुत्र बुद्धसेन निवासी ग्राम मुगलपुर प्रथम थाना सिरौली को पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से दो बोरों में कुल 28 किलो 802 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद

जारी सूचना के अनुसार ई-टेंडर पोर्टल पर टेंडर आईडी 2026\_DSUWUP\_1164556\_V दिनांक 27 जून 2026 को प्रकाशित किया गया है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता और फर्म 4 जुलाई 2026 शाम 4 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। टेंडर में भाग लेने वाले आपूर्तिकर्ताओं को निर्धारित समय तक ईएमडी, टेंडर शुल्क और अन्य जरूरी दस्तावेज जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा कराने होंगे विभाग ने बताया है कि टेंडर से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

## प्रेमिका को दिलाया मोबाइल फोन तो घर में घुसकर पीटा, युवक ने जहर खाकर दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। बिथरी चैनपुर इलाके में प्रेमिका के परिजनों ने फोन दिलाने पर प्रेमी की उसके घर में घुसकर पिटाई कर दी। अवसाद में आए प्रेमी युवक ने जहर खाकर जान दे दी। युवक के पिता ने बिथरी चैनपुर थाने में आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने व आत्महत्या के लिए मजबूर करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहनपुर रामनगर निवासी गंगादेश शर्मा ने बताया कि वह

कारपेंटर हैं। उनका 21 साल का बेटा आदित्य शर्मा भी साथ में यही काम करता था। पहले वह परिवार सहित जगतपुर में किराये पर रहते थे। वहां रहने वाली एक युवती से उनके बेटे आदित्य की बचपन से दोस्ती



थी। 23 जून को आदित्य उसी युवती के साथ नया मोबाइल फोन खरीदने बटलर प्लाजा मार्केट गया था। मोबाइल फोन खरीदकर आदित्य उस युवती के साथ अपनी नानी के घर चला गया। इस वजह से दोनों को

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### डीएम ने पोस्टमार्टम हाउस पर स्थापित कराया आरओ प्लांट

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने एक मानवीय पहल करते हुए पोस्टमार्टम हाउस पर आने वाले मृतकों के परिजनों और आम लोगों को अब भीषण गर्मी में शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। जिलाधिकारी ने पोस्टमार्टम हाउस के बाहर आरओ वाटर प्लांट स्थापित कराकर शनिवार को इसका शुभारंभ किया।



डीएम ने फीता काटकर आरओ वाटर प्लांट का उद्घाटन किया और कहा कि नागरिकों को सम्मानजनक एवं बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। यह पहल खास तौर पर उन लोगों के लिए राहत लेकर आई है, जो कठिन परिस्थितियों में पोस्टमार्टम हाउस पहुंचते हैं। अब उन्हें पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आरओ प्लांट के नियमित संचालन और समय-समय पर रखरखाव के निर्देश भी दिए, ताकि लोगों को लगातार स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा मिलती रहे। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## योगी सरकार का किसानों को बड़ा तोहफा, गन्ना परिवारों को मिलेगा बीमा-पेंशन सुरक्षा कवच

क्यूँ न लिखूँ सच /प सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों और उनके परिवारों के लिए बीमा, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग ने गन्ना



कृषक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ पहुंचाने के लिए जुलाई के दूसरे सप्ताह में सभी सहकारी गन्ना विकास समितियों में विशेष जागरूकता एवं नामांकन कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया है। इस अभियान का उद्देश्य गन्ना किसानों और उनके परिवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना है। अभियान की तैयारी को लेकर हर जिले में 30 जून 2026 से पहले जिला गन्ना अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें बैंक अधिकारी, गन्ना समितियों के पदाधिकारी, चीनी मिलों के अधिकारी और अन्य संबंधित लोग शामिल होंगे। छोटी गन्ना समितियों में 3 दिन और बड़ी समितियों में 5 दिन तक किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा। इन कार्यक्रमों में किसानों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ मौके पर ही नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। गन्ना समितियां, बैंक, इफको और चीनी मिलें मिलकर सहायता एवं नामांकन काउंटर लगाएंगी, जहां किसानों को दस्तावेज, पात्रता और योजनाओं से जुड़ी पूरी जानकारी मिलेगी।

## आने में देरी हो गई तो युवती के पिता प्रमोद भारद्वाज, भाई अंकुर भारद्वाज, चचेरा भाई आदित्य भारद्वाज और मां बीना उनके घर आ धमके। वे अपनी बेटी के बारे में पूछने लगे। तब उन्होंने अपने बेटे से फोन पर बात की और उसे नानी के घर से तुरंत आने के लिए कहा। उनका बेटा थोड़ी देर में उस युवती के साथ आ गया। उन्होंने उस युवती को परिजनों के सुपुर्द कर दिया

## निकाय चुनाव: कांग्रेस ने कसी कमर, जीतू पटवारी के नेतृत्व में बनी रणनीति

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/भोपाल। आगामी नगरपालिका एवं नगर निगम चुनावों की तैयारियों को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी जी सहित प्रदेशभर से नगरपालिका एवं नगर निगम चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी, जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल रहे। इस दौरान चुनावी रणनीति, संगठन की मजबूती, प्रत्याशी चयन के मापदंड तथा आगामी चुनावों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।



बनाए रखें, सभी समाजों के सुख-दुख में सहभागी बनें, धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के शामिल हों तथा छोटी-छोटी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान कर जनता का विश्वास मजबूत करें। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक सक्रिय टीम और जनता से निरंतर संवाद ही चुनावी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। बैठक में आगामी नगरीय निकाय चुनावों के लिए प्रत्याशी चयन के मापदंडों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान साफ-सुथरी छवि, जनसेवा कार्ड, संगठन के प्रति निष्ठा, जनता के बीच सक्रियता, जीत

की क्षमता तथा सामाजिक स्वीकार्यता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। साथ ही संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच ले जाने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक का उद्देश्य आगामी नगरपालिका एवं नगर निगम चुनावों के लिए मजबूत रणनीति तैयार कर कांग्रेस को अधिक से अधिक सीटों पर विजय दिलाना रहा।

## डिजिटल निगरानी से अवैध खनन पर कड़ा शिकंजा, जिलाधिकारी ने माइनिंग कमांड सेंटर का किया निरीक्षण



क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद में खनिज संपदा के संरक्षण तथा अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित खनन कार्यालय में स्थापित माइनिंग कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कमांड सेंटर में संचालित डिजिटल निगरानी प्रणाली, वाहनों की ट्रैकिंग व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, ऑनलाइन डाटा विश्लेषण तथा खनन गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग का विस्तृत अवलोकन किया।

अधिकारियों से कमांड सेंटर के माध्यम से संचालित निगरानी व्यवस्था की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि जनपद में संचालित प्रत्येक वैध खनन पट्टे की गतिविधियों पर सतत एवं प्रभावी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित पट्टा क्षेत्र से बाहर खनन, ओवरलोडिंग, बिना वैध प्रपत्रों के खनिज परिवहन अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का उद्देश्य केवल निगरानी करना नहीं, बल्कि

## थाना दिवस में जिलाधिकारी ने सीधे फरियादियों से लिया फीडबैक, कहा शिकायत का समाधान ही प्रशासन की असली कसौटी

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद के थाना कोटरा सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान थाना दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान कुल तीन प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने केवल नई शिकायतें ही नहीं सुनीं, बल्कि पिछले



संपूर्ण समाधान थाना दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने अभिलेखों पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं शिकायतकर्ताओं से सीधे दूरभाष पर संपर्क कर वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया। इस दौरान 10 शिकायतकर्ताओं से रेंडम फीडबैक लिया गया, जिसमें सभी ने अपने प्रकरणों के निस्तारण पर संतोष व्यक्त किया। करण का समाधान पारदर्शी, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित करें। पुलिस

अधीक्षक ने कहा कि पुलिस और प्रशासन की विश्वसनीयता तभी मजबूत होगी जब शिकायतकर्ता स्वयं यह महसूस करे कि उसकी समस्या का निष्पक्ष समाधान हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशील व्यवहार और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके। इस अवसर पर एसएचओ विमलेश कुमार आदि सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## स्थानांतरण होने पर एसएसपी ने क्षेत्राधिकारी नगर रजनीश उपाध्याय को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा पुलिस लाइन, बदायूं सभागार में क्षेत्राधिकारी नगर श्री रजनीश उपाध्याय के जनपद कासगंज स्थानांतरण के उपलक्ष्य में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. हृदेश कठेरिया, समस्त क्षेत्राधिकारीगण एवं जनपद के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्री रजनीश उपाध्याय के कार्यकाल के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों, कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व



क्षमता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं द्वारा श्री रजनीश उपाध्याय को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं नवीन

कार्यस्थल पर सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएँ दी गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उनके साथ कार्य करने के अनुभव साझा करते हुए उनके योगदान की प्रशंसा की तथा भावभीनी विदाई दी।

## चेयरमैन फात्मा रज़ा ने फीता काटकर किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं नगर पालिका परिषद के प्रशासनिक ढांचे को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में शनिवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। लगभग 18 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए आधुनिक पालिकाध्यक्ष कक्ष का नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रज़ा ने फीता काटकर लोकार्पण किया। लोकार्पण के उपरांत उन्होंने अपने नवनिर्मित एवं अत्याधुनिक कक्ष में बैठकर कार्यभार भी संभाला। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। लोकार्पण के बाद पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा ने नए कक्ष का निरीक्षण किया और उपस्थित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यालय की नई कार्यप्रणाली पर चर्चा की। समारोह में मौजूद लोगों ने आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस कक्ष की सराहना करते हुए इसे नगर पालिका के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। फात्मा रज़ा ने कहा कि किसी भी संस्था की कार्यक्षमता उसके कार्य वातावरण पर निर्भर करती है। आधुनिक कार्यालय कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा



का संचार करता है और बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करता है। इसका सीधा लाभ जनता को मिलेगा, क्योंकि शिकायतों का निस्तारण अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका शहर के विकास के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था को भी आधुनिक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता, पार्कों के सौंदर्यीकरण और अन्य विकास कार्यों के साथ अब कार्यालयों के आधुनिकीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। अपने संबोधन के अंत में पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा ने कहा कि नगर पालिका परिषद का उद्देश्य केवल विकास कार्य

कराना नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जनकेंद्रित बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आधुनिक पालिकाध्यक्ष कक्ष का लोकार्पण नगर पालिका परिषद के आधुनिकीकरण की दिशा में एक नया अध्याय साबित होगा और आने वाले समय में पूरा नगर पालिका भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त जनसेवा केंद्र के रूप में नई पहचान स्थापित करेगा। इस मौके पर सभासद रवि, भूदेवी चंदेल, प्रेमलता सिंह, लियाकत अली खां, ममता, राजीव नारायण रायजादा, शाजमा, मोहम्मद अनवर, अनवर खां, मनोज, किशोर, जया साहू, जीनत बी उर्फ जीनत बेगम, कनीज फात्मा, अख्तरी, मोहित सक्सेना समेत तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

## सदर विधायक महेशचन्द्र गुप्ता ने पल्स पोलियो अभियान रैली का किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं सघन पल्स पोलियो अभियान आयोजित किया जायेगा जिसमें 0-5 वर्ष तक के बच्चों को 02 बूंद पोलियो की ड्रॉप पिलायी जायेगी। जिसके अंतर्गत जनजागरुकता हेतु एक रैली का शुभारम्भ कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी बदायूं से श्री महेशचन्द्र गुप्ता जी मा0 सदर विधायक एवं डॉ0 विकास शर्मा मुख्य चिकित्सा अधिकारी बदायूं द्वारा हरी झण्डा दिखाकर किया गया। मा0 सदर विधायक श्री महेशचन्द्र गुप्ता जी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि, देश को पोलियो मुक्त बनाये रखने के लिये हर एक बच्चे को दवा पिलाना बेहद जरूरी है। कोई भी बच्चा इस सुरक्षा चक्र से छूटना नहीं चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 विकास शर्मा द्वारा आम जनता से अपील की गयी कि वे अपने 0-5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पल्स पोलियो बूथ पर



28 जून 2026 को पोलियो की 02 बूंद ड्रॉप निःशुल्क पिलवाये। इसके उपरान्त घर-घर गतिविधि 29 जून से 03 जुलाई 2026 तक एवं बी टीम एक्टिविटी 06 जुलाई 2026 को सम्पादित की जायेगी जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि 28 जून 2026 को पल्स पोलियो ड्रॉप पिलाने से जो बच्चे किसी कारणवश बूथ पर नहीं आ पायेंगे उन्हें अगले 05 दिनों तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर सुरक्षा खुराक दी जायेगी विशेष रूप से ईट-भट्टो निर्माण स्थलों और मलिन बस्तियों जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। रैली में शहरी आशाओं, जिला पुरुष

चिकित्सालय एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से प्रारम्भ होकर भगवान परशुराम चौक, रोडवेज, पुलिस लाइन, वन विभाग से होते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। रैली को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने और कार्मिकों का उत्साहवर्धन करने के लिये रैली में डॉ तहसीन उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ0 असलम जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, श्रीमती सुधा देवी डी.एच.ई.आई.ओ., डॉ0 कौशल गुप्ता एपिडेमियोलॉजिस्ट श्री उमेश अर्बन कोर्डिनेटर व अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### थाना वजीरगंज में समाधान दिवस में सुनी जानते की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 हृदेश कठेरिया द्वारा थाना वजीरगंज पर उपस्थित रहकर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनके विधिक एवं समयबद्ध निस्तारण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया, साथ ही संबंधित अधिकारियों को जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। समाधान दिवस रजिस्टर को चेक कर सम्बन्धित को अद्यावधिक हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक वजीरगंज श्री अश्विनी कुमार व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे



### उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के संजय बाल्मीकि बने अध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ कोंच ब्लॉक के अध्यक्ष



वाल्मीकि पड़री कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र वाल्मीकि भदारी मंत्री पद पर छुटाई वाल्मीकि निर्विरोध चुने गये इस अवसर पर जालौन से राज कुमार वाल्मीकि पंकज चौरसिया जी रामबाबू वाल्मीकि दीपू पेंटर कोच, राजू अंडा, अशोक अंडा रामजी गोरा, भाइयान, गोपी चौधरी, आदि मौजूद रहे सभी का आभार दीपू पेंटर कोंच ने व्यक्त किया।

### मोहर्रम की दसवीं पर निकला ताजिया जुलूस, लोगो ने जगह जगह पर वितरित किया शरबत और पानी

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। नगर में मोहर्रम की दशवीं तारीख को ताजिया निकले सबसे पहले यह ताजिया जुलूस भगत सिंह नगर से उठा और आजाद नगर आराजी लेन होकर बिजली पावर हाउस होता



हुआ पुरानी स्टेट बैंक होकर जय प्रकाश नगर बंगला होकर नई स्टेट बैंक सब्जी मंडी लाजपत नगर कटरा होता हुआ लबली चौराहा पहुंचा और फिर यहां से नई बस्ती पहुंचा और फिर यहां से मुख्य मार्ग होता हुआ तकिया चौक पहुंचा डोल नगाड़ों के बीच ताजिया में लोग बड़ी संख्या में शामिल रहे तकिया चौक से होता हुआ सागर चौकी तिराहा और फिर चंदकुआ चौराहा होकर सीधे कर्बला पहुंचा मातमी अंदाज में ताजिया ओ को सुपुर्द खाक कर दिया गया इस ताजिया जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह खेड़ा चौकी के प्रभारी शिव नारायण वर्मा नगर पालिका की ईओ मोनिका उमराव शहर काजी बशीर उद्दीन सभासद माधव यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

### पीडब्ल्यूडी ने वर्षों पुराने कब्जों को बताया अवैध: फरुखाबाद में 29 जून को होगी अंतिम सुनवाई, लोगों ने किया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच / फरुखाबाद के फतेहगढ़ में रेलवे रोड पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा अतिक्रमण हटाने के नोटिस के बाद भवन मालिकों ने अपने निर्माण तोड़ने शुरू कर दिए हैं। भवन मालिकों का कहना है कि वे दशकों से इन संपत्तियों पर रह रहे हैं, लेकिन अब उन्हें अतिक्रमणकारी बताया जा रहा है। राजस्व और लोक निर्माण विभाग ने 17 मार्च को सड़क के दोनों ओर की भूमि को पीडब्ल्यूडी की संपत्ति घोषित किया था। इसके बाद 29 अप्रैल को भवन स्वामियों को अंतिम नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी। नोटिस में 8 फीट तक के अतिक्रमण का जिक्र है। भवन स्वामियों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया था। उनका तर्क था कि मामला दीवानी और उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, और उनके पास भवनों के वैध पट्टे तथा स्वीकृत मानचित्र मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि कुछ न्यायालयों ने पीडब्ल्यूडी को सभी पक्षों को सुनने के निर्देश भी दिए थे। एक वर्ष से मिल रहे नोटिस मामले में भवन स्वामी शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और अपना पक्ष रखा। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता कार्यालय में अपने सभी अभिलेख प्रस्तुत कर अंतिम बार अपना पक्ष रखें।

## दो बूंद जड़िगी की का संदेश लेकर निकली भव्य जनजागरूकता रैली, 28 जून को 2.16 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

क्यूं न लिखूं सच / नीरज कुमार/ उरई। राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान के अंतर्गत 28 जून को आयोजित होने वाले पोलियो बूथ दिवस की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को जिला पुरुष चिकित्सालय उरई से एक भव्य जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली को जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने संयुक्त रूप से हेरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जनजागरूकता रैली में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, नगर क्षेत्र की आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्रियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, मेडिकल व नर्सिंग विद्यार्थियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों और बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली जिला पुरुष चिकित्सालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः चिकित्सालय परिसर में सम्पन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने दो बूंद जड़िगी की और पोलियो मुक्त भारत के नारों के माध्यम से लोगों को अपने बच्चों को पोलियो की



खुराक अवश्य पिलाने का संदेश दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा केवल दो बूंद दवा से संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के साथ-साथ आसपास के बच्चों को भी पोलियो बूथ तक अवश्य लाएं, ताकि कोई भी बच्चा दवा से वंचित न रह जाए।

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि पोलियो मुक्त भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाए। स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए हर बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 28 जून को आयोजित पोलियो बूथ दिवस पर 0 से 5

वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर दवा पिलाना अनिवार्य है। एक भी बच्चा छूटना पूरे अभियान की सफलता को प्रभावित कर सकता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिनंदन प्रसाद एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद में अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कुल 1188 पोलियो बूथों एवं 590 टीमों के माध्यम से 2,16,833 लक्षित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों से भी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग की अपील की।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, नर्सिंग स्टाफ, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

## फरुखाबाद में अवैध नर्सिंग होमों की खैर नहीं

## स्वास्थ्य विभाग चलाएगा विशेष जांच अभियान, बिना पंजीकरण वाले अस्पतालों पर होगी सख्त कार्रवाई

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप / फरुखाबाद। जनपद में बिना वैध पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) के संचालित हो रहे निजी नर्सिंग होमों और अस्पतालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपना ली है। आमजन को सुरक्षित और मानक के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी (CMO) डॉ. आनंद उपाध्याय ने जनपद में एक सघन और विशेष निरीक्षण अभियान चलाने का निर्देश दिया है। अभियान की मुख्य रूपरेखा- इस अभियान का संचालन उप मुख्य चिकित्साधिकारी एवं निजी चिकित्सालय पंजीकरण के नोडल अधिकारी डॉ. आर.सी. माथुर की देखरेख में किया जाएगा। सीएमओ ने स्पष्ट किया है कि अनधिकृत संस्थानों में मरीजों का उपचार कराना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों की जान के साथ खिलवाड़ है। निरीक्षण के दौरान इन मानकों की होगी जांच - स्वास्थ्य विभाग की टीमों अस्पतालों में निम्नलिखित बिंदुओं पर गहन पड़ताल करेंगी-



Waste) का सही निस्तारण। उल्लंघन पर होगी कड़ी विधिक कार्रवाई- मुख्य चिकित्साधिकारी ने चेतावनी दी है कि यदि निरीक्षण के दौरान कोई भी अस्पताल बिना पंजीकरण के पाया जाता है या निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहा होता है, तो उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश निजी चिकित्सालय अधिनियम और अन्य प्रासंगिक नियमों के तहत कठोर विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रशासनिक विभागों का सहयोग लेकर ऐसे संस्थानों को सील करने की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। जनता से स्वास्थ्य विभाग की अपील- डॉ. आनंद उपाध्याय ने जनपदवासियों को जागरूक रहने की सलाह दी है- सतर्क रहें- किसी भी निजी

अस्पताल में उपचार शुरू कराने से पहले उसका वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र और वहां उपलब्ध सुविधाओं की पुष्टि जरूर करें। सूचना दें यदि आपको अपने क्षेत्र में बिना पंजीकरण के संचालित किसी अस्पताल या नर्सिंग होम की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें। विभाग ऐसे हर सूचना पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। इस अभियान का उद्देश्य जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था को पारदर्शी और सुदृढ़ बनाना है, ताकि मरीजों को जीवनरक्षक उपचार पूरी सुरक्षा के साथ मिल सके।

## मारपीट में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत: पुरानी रंजिश में मारपीट के बाद कानपुर में तोड़ा दम, फिर दर्ज

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप / फरुखाबाद के थाना राजेपुर क्षेत्र के ग्राम उज्जामऊ में रंजिश को लेकर हुई मारपीट के मामले में घायल युवक श्यामवीर प्रताप सिंह उर्फ सोनू (35 वर्ष) की कानपुर के हैलेट अस्पताल में मृत्यु हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। मामले की जानकारी मिलने पर शुक्रवार को शव गांव पहुंचने पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। उज्जामऊ निवासी श्यामवीर प्रताप सिंह 18 जून की रात को गांव के ही एक व्यक्ति के घर पर मौजूद थे, जहां वह काम करते थे। आरोप है कि उसी दौरान गांव का निवासी सोरभअपने दो-तीन साथियों के साथ वहां पहुंचा। पुरानी रंजिश को लेकर उनके बीच विवाद हुआ, जिसके बाद श्यामवीर के साथ मारपीट की गई और उन्हें गंभीर रूप से

## रावतपुर सरकार धाम में विधायक विनोद चतुर्वेदी ने लिया पूज्य रविशंकर महाराज का आशीर्वाद, क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना

क्यूं न लिखूं सच / नीरज कुमार/ कालपी/जालौन। कालपी विधानसभा क्षेत्र के विधायक Vinod Chaturvedi ने मंगलवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल रावतपुर सरकार धाम पहुंचकर पूज्य रविशंकर महाराज के दर्शन किए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर उनके साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट के एडिशनल एडवोकेट जनरल महेश चंद्र चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश व क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति तथा जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं का सांनिध्य और आशीर्वाद समाज को



सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आध्यात्मिक ऊर्जा से प्रेरणा लेकर जनसेवा के कार्यों को और अधिक निष्ठा से आगे बढ़ाया जा सकता है। दर्शन-पूजन के उपरांत विधायक ने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों एवं समर्थकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास का भरोसा दिलाया। विधायक ने कहा कि

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए शासन-प्रशासन के स्तर पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में विधायक के आगमन से भक्तों एवं समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भी विधायक के इस आध्यात्मिक दौरे की सराहना की।

विधायक विनोद चतुर्वेदी की यह धार्मिक यात्रा क्षेत्र में आस्था, जनसेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाली मानी जा रही है, जिससे जनमानस में सकारात्मक ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ है।

## निर्माण कार्यों में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त, धीमी प्रगति पर ठेकेदार को नोटिस के निर्देश

क्यूं न लिखूं सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कलेक्ट्रेट परिसर में निर्माणाधीन शासकीय भवनों के कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार को निर्माणाधीन एनआईसी कार्यालय एवं खनिज कार्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की धीमी गति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन खनिज कार्यालय का निरीक्षण करते समय जिलाधिकारी ने पाया कि भवन निर्माण की प्रगति निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नहीं है। उन्होंने अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्देशित किया कि कार्य में अनावश्यक विलंब के लिए संबंधित ठेकेदार को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए तथा अनुबंध की शर्तों के अनुरूप आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भवन की दूसरी मंजिल की स्लैब का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन उसके ऊपर प्लास्टर का कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया



है। वहीं भूतल एवं अन्य हिस्सों में पुट्टी-पुताई, विद्युत फिटिंग, पेयजल एवं सेनेटरी व्यवस्था, दरवाजे-खिड़कियों की स्थापना, एप्रन निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कार्य अधूरे पाए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अतिरिक्त श्रमिकों एवं संसाधनों की व्यवस्था कर निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और 31 जुलाई 2026 तक प्रत्येक दशा में भवन का समस्त कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी। यदि कार्य की प्रगति में पुनः लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की

जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन एनआईसी कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शेष बचे सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करते हुए दो दिवस के भीतर भवन को पूर्ण रूप से तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यालय का संचालन शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि शासकीय भवनों का निर्माण केवल समय पर पूरा होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी सर्वोच्च मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। जनहित से जुड़े प्रत्येक निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं किया जाएगा और जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार कोंच के रेल सुनील लोहिया का सराहनीय प्रयास, रेलवे की कोंच वासियों को सौगात

क्यूं न लिखूं सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। 29 जून से कोंच एट स्टेशन ट्रेन का मिलान एट स्टेशन पर इंटरसिटी से शुरू एट कोंच स्टेशन ट्रेन के अब चार के बजाय पुनः पांच फेरा लगा कर एट स्टेशन पर रुकने वाली अन्य ट्रेनों से कोंच स्टेशन का मिलान करेगी नागरिकों को हो रही भारी परेशानी को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे ने नई समय सारणी जारी कर 29 जून से कोंच एट स्टेशन ट्रेन सुबह 6-35 पर कोंच चलकर सुबह 7-05 पर एट पहुंच कर झांसी से लखनऊ जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन नंबर 11109 से एट स्टेशन पर मिलान करेगी। ज्ञातव्य है कि कोंच में बेहतर रेल सुविधाओं के लिए सतत प्रयास रत रेल पुरुष के नाम से विख्यात रेलवे स्टेशन सलाह कार समिति कोंच के सम्माननीय सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील लोहिया जी ने मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति झांसी के सदस्य उदय सोनी जी के साथ मंडल रेल प्रबंधक झांसी अनिरुद्ध कुमार से झांसी में डीआरएम ऑफिस में मिलकर कर एवं डीआरएम झांसी के कोंच आगमन भेंट कर ज्ञापन सौंपकर कर एट कोंच स्टेशन ट्रेन का मिलान एट जंक्शन पर झांसी से लखनऊ जाने वाली ट्रेन नंबर 11109 इंटरसिटी एवं 11 123/ 11124 ग्वालियर बरौनी मेल का 1 जुलाई से संलग्न समय सारणी के अनुसार एट स्टेशन पर मिलान किये जाने की प्रभावी मांग की थी परिणाम स्वरूप रेलवे ने लोहिया जी की मांग को स्वीकार करते हुए 29 जून से लागू समय-सारणी के अनुसार कोंच एट स्टेशन ट्रेन का सुबह का फेरा जो 6-35 पर कोंच से चलकर प्रातः 7 05 पर एट पहुंचकर लखनऊ जाने वाली इंटर सिटी ट्रेन नंबर 11109 से मिलान करेगा और दोपहर 2-00 बजे कोंच से चलकर एट स्टेशन पर ट्रेन नंबर 11 123 ट्रेन नंबर 11124 अप डाउन ग्वालियर बरौनी मेल से मिलान करेगा। कोंच के नागरिकों की समस्या की समाधान करते हुए रेलवे के द्वारा जारी नयी समय सारणी का कोंच वासियों ने स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त कर रेलवे को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

## पांचाल घाट पर गंगा में मरीं सैकड़ों मछलियां

क्यूं न लिखूं सच /श्याम जी कश्यप / उतराती मछलियां देखकर लोग रह गए हैरान, कारण नहीं पता चल पाया फरुखाबाद



के पांचाल घाट पर शुक्रवार को गंगा नदी में बड़ी संख्या में मछलियां मृत पाई गईं। दुर्घटना श्रद्धा आश्रम के सामने गंगा में तैरती मछलियों को देखकर स्नान करने पहुंचे लोग हैरान रह गए। गंगा स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने जब इन मृत मछलियों को देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों और गंगा पुत्रों ने भी घटना स्थल का दौरा किया। मछलियों के मरने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पांचाल घाट फरुखाबाद में एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं। यहाँ लोग अक्सर मछलियों को दाना भी डालते हैं, जिससे उनकी आस्था जुड़ी हुई है। इस घटना की सूचना अधिकारियों को भी दी गई है। हालांकि, प्रशासन की ओर से मछलियों की मौत के पीछे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है और न ही कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। कुछ श्रद्धालुओं ने मृत मछलियों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। एक आशंका यह भी जताई जा रही है कि गंगा किनारे बने एक बड़े गड्ढे में पानी का बहाव रुकने के कारण बड़ी संख्या में मछलियां फंस गई होंगी, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि, इन आशंकाओं की पुष्टि नहीं हुई है।

दैनिक अखबार क्यूं न लिखूं सच  
को जिला एवं तहसील स्तर पर  
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन  
प्रतिनिधि चाहिए  
9027776991  
knslive@gmail.com



घायल कर दिया गया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि श्यामवीर के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की गई थी। घायल श्यामवीर को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें डॉ. राम

रात में घर पहुंचा। सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। परिजनों ने आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। मृतक के भाई उदय प्रताप सिंह की तहरीर पर राजेपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवक की मौत के बाद विवेचना में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, चिकित्सकीय साक्ष्य तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

थाना प्रभारी राजेपुर नागेंद्र सिंह ने बताया कि घटना को गंभीरता से लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष पुलिस टीम गठित कर दी गई है और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

# Is company insurance best or personal health insurance? Learn the difference.

People who work in private companies or corporate offices typically receive free health insurance from their company. This often raises the question: is it necessary to purchase separate personal health insurance if the company already provides it? Let's explore this treatment has become so expensive that it's difficult for all of us. Those who work in companies often receive free health insurance from their company. This leads most people to sit back and not purchase any other insurance for themselves. But is relying solely on the company right for you and your family? The truth is, company insurance has many conditions and limitations. If you do not understand these in time, you may have to pay lakhs of rupees from your pocket in case of sudden illness. Risk ends on losing or changing job - Actually, the insurance provided by the company is valid only till you are working in that company. If you change your job, lose your job or you retire, then your health insurance ends completely from that day itself. If any medical emergency occurs between joining a new job or taking a new personal insurance, then you may have to suffer huge financial loss. There are many strict conditions hidden in them like room rent capping (limit on hospital room rent) and co-payment. For example, if your company's policy limits room rent to only ₹3,000 per day and you are admitted to a significant portion of the remaining as per the terms and conditions of your policy. Limited coverage and difficulties in treating parents: Companies typically offer group insurance of only ₹2 lakh to ₹5 lakh, which is too low for treating serious illnesses today. Furthermore, many companies no longer cover elderly parents or impose significant deductibles on their treatment costs, leaving them vulnerable at the last minute. Benefits of Personal Health Insurance: The biggest advantage of owning personal (retail) health insurance is that it's not linked to your job and lasts a lifetime. You can choose a higher sum assured (insurance amount) based on your needs. Additionally, starting a personal policy at a young age offers the benefit of no-claim bonus and the waiting period for chronic diseases also gets eliminated over time.



Corporate policies often have many strict conditions hidden in them like room rent capping (limit on hospital room rent) and co-payment. For example, if your company's policy limits room rent to only ₹3,000 per day and you are admitted to a significant portion of the remaining as per the terms and conditions of your policy. Limited coverage and difficulties in treating parents: Companies typically offer group insurance of only ₹2 lakh to ₹5 lakh, which is too low for treating serious illnesses today. Furthermore, many companies no longer cover elderly parents or impose significant deductibles on their treatment costs, leaving them vulnerable at the last minute. Benefits of Personal Health Insurance: The biggest advantage of owning personal (retail) health insurance is that it's not linked to your job and lasts a lifetime. You can choose a higher sum assured (insurance amount) based on your needs. Additionally, starting a personal policy at a young age offers the benefit of no-claim bonus and the waiting period for chronic diseases also gets eliminated over time.

# When is IVF needed, and for which couples is it helpful? An IVF expert provides all the details.

The increasing incidence of fertility problems in India is a matter of serious concern. IVF has emerged as a major hope for couples struggling with infertility. But when should you understand that IVF is necessary? Lifestyle, dietary, and not only led to the rise in diseases like obesity, diabetes, heart disease, people. Conception, which was a natural occurrence a few decades ago, now requires many couples to undergo months or years of treatment. In many cases, they are ultimately resorting to assisted reproductive technologies like in-vitro fertilization (IVF). The increasing incidence of fertility problems in India is a matter of serious concern. If you think that infertility is solely a woman's fault, you are wrong. In a report published in Amar Ujala, we stated that men are responsible for 50% of infertility cases. IVF has emerged as a new ray of hope for couples struggling with fertility issues and infertility. But how can couples determine which couples need it? Fertility Problems and the Need for IVF: Experts say that low sperm quality and quantity in men, hormonal imbalances, and unhealthy lifestyles are contributing to fertility issues, not limited to just one aspect. The need for serious discussion on healthy lifestyle, proper nutrition, regular exercise, and expert advice can help reduce the risk in many cases. In a conversation with Amar Ujala about fertility issues and IVF, IVF specialist Dr. Gauri Agarwal should they seek it? Dr. Gauri has answered all the questions in a simple manner. It is important to understand natural pregnancy first. Dr. Gauri explains, "Normal, an egg is released in a woman's body every month. When sperm is released during intercourse, it travels through the uterus to the tube where the egg is already present. There, the sperm and egg combine to form a baby. Five days later, this tube delivers the baby to the uterus, where the baby continues to grow for nine months." If a woman has blocked tubes, low egg production, low sperm count (less than 10 million), or a uterine tumor or other problem, normal conception becomes difficult. In such cases, IVF is required. What happens in IVF? Hormonal injections are given for 10-12 days. These injections stimulate the formation of eggs in both ovaries. However, the process of egg formation depends on several physical conditions. If eggs are forming in a woman, they are extracted through a procedure and combined with sperm in the lab. This creates an embryo. Within 3-4 days, the embryo is implanted into the uterus. If a woman's uterus is not ready to receive the embryo, additional procedures are performed.



environmental issues have seriously harmed our overall health. This has and cancer, but even conceiving a child has become a daunting task for technologies like in-vitro fertilization (IVF). The increasing incidence of think that infertility is solely a woman's fault, you are wrong. In a report 50% of infertility cases. IVF has emerged as a new ray of hope for couples determine which couples need it? Fertility Problems and the Need for hormonal imbalances, and unhealthy lifestyles are contributing to fertility issue, not limited to just one aspect. The need for serious discussion on healthy lifestyle, proper nutrition, regular exercise, and expert advice can Ujala about fertility issues and IVF, IVF specialist Dr. Gauri Agarwal should they seek it? Dr. Gauri has answered all the questions in a simple Gauri explains, "Normal, an egg is released in a woman's body every through the uterus to the tube where the egg is already present. There, tube delivers the baby to the uterus, where the baby continues to grow production, low sperm count (less than 10 million), or a uterine tumor or IVF is required. What happens in IVF? Hormonal injections are given both ovaries. However, the process of egg formation depends on several extracted through a procedure and combined with sperm in the lab. This creates an embryo. Within 3-4 days, the embryo is implanted into the uterus. If a woman's uterus is not ready to receive the embryo, additional procedures are performed.

# Not just iron, copper deficiency can also make you a victim of anemia. How to prevent this risk?

People often believe that anemia refers only to iron deficiency, but a deficiency of micronutrients like copper can also affect the production of red blood cells. Do you feel tired without exertion, short of breath while climbing stairs, pale face, or frequent dizziness? Consult a doctor promptly; these could be signs of anemia. Anemia in India. Menstrual bleeding, pregnancy, and People often believe that anemia refers only to iron deficiency, but a deficiency of micronutrients like copper can also affect the production of red blood and the formation of hemoglobin. If iron is when it has enough iron. Know the risk factors lacks healthy red blood cells, or hemoglobin. This Iron deficiency is the most common cause. But did copper can also contribute to this condition? pregnancy, child development, and quality of life. the nerves, brain, energy levels, and other bodily Copper plays a vital role in the transport and red blood cell production. In some cases, copper supplements, absorption problems, or certain to anemia; it can also affect nerve function. You unsteadiness while walking, and immune for the formation of hemoglobin. When iron levels reducing the oxygen-carrying capacity of red blood fatigue, weakness, pale skin, and decreased performance. Iron deficiency can also affect mental capacity and physical strength. In severe cases, daily activities can become difficult. This is especially important for pregnant women, as it can impact the health of both mother and baby. How to replenish iron - Lentils, beans, green leafy vegetables, millet, jaggery, dried fruits, and animal-based sources, as needed, can be beneficial. Vitamin C-rich foods also aid iron absorption. Nuts, seeds, whole grains, and pulses are considered good sources of copper. In severe iron-copper deficiencies, doctors may recommend supplements. However, supplements should not be taken without examination and doctor's advice.



face, or frequent dizziness? Consult a doctor is a major problem among women and adolescents nutritional deficiencies are considered its causes. deficiency, but a deficiency of micronutrients like cells. Copper helps in the proper utilization of iron deficient, the body cannot effectively utilize it even for anemia: Anemia is a condition in which the body reduces the ability to transport oxygen to tissues. you know that deficiencies in vitamin B12, folate, and Anemia can affect the body's immune system, Deficiencies in both copper and iron can also affect systems. Risk factors for copper deficiency anemia: utilization of iron in the body. A deficiency can affect deficiency is caused by prolonged use of excessive zinc medical conditions. Copper deficiency isn't limited may also experience tingling in your hands and feet, problems. Iron deficiency anemia - Iron is essential are low, sufficient hemoglobin is not produced, cells. Iron deficiency can cause symptoms such as

# Anushka Sen becomes the first Indian actress to star in a Korean film, landing this role in 'Jeju Ole'

Actress Anushka Sen will soon be seen playing a key role in the Korean film 'Jeju Ole'. She has shared her experience working on the film. Actress Anushka Sen has achieved a significant milestone. She is set to play a lead role in a South star will play the lead role in drama 'Jeju Ole', a cultural and South Korea. What is the Anushka plays Alisha, who beautiful Jeju Island while her sister. As she attempts to rebuild her life, she develops songwriter Sunwoo (played seok). The film's story is set Island. Talking about the Anushka spoke to The about her experience standing association with challenges she faced working industry. Anushka loves the significance of this holds even more significance drama, which she has always Anushka shared that she during the COVID-19 love with the Korean dreamed of being a part of playing the lead role in a film true. Where will the film be



for a multi-regional audience and was shot throughout Jeju Island. Currently, it is planned to be released in South Korea, India and several other Asian and Middle East countries. Actress Anushka Sen has achieved a significant milestone. She is set to play a lead role in a South Korean film. The 23-year-old the upcoming romantic musical collaboration between India film's story? In the film, arrives on South Korea's trying to cope with the loss of understand her feelings and a relationship with singer-by Korean actor Kang Hyung-in the beautiful location of Jeju Korean industry - Recently, Hollywood Reporter India working on the film, her long-South Korea, and the in a new entertainment Korean films - Speaking about project, she said that "Jeju Ole" because it is a romantic musical loved. A dream come true - started watching K-dramas pandemic. Over time, she fell in storytelling style and often such a project. She said that like "Jeju Ole" is a dream come released? The film is designed

## She performed Lavani dance immediately after giving birth. Find out who Vithabai Narayangaonkar of 'Itha' was.

Shraddha Kapoor is currently in the news for her upcoming film, 'Itha.' This film is based on the life of Lavani empress Vithabai Narayangaonkar. She dedicated her life to the Lavani folk art for five decades. Here are some highlights from Petromax (a gas-powered lamp) at the village fair the stage. The sound of anklets and drums echoes overwhelming. A woman is performing Lavani on goes backstage, gives birth to a baby girl, then returns scene from a Hindi film, but a true story from the life Vithabai Narayangaonkar. The Shraddha Kapoor-directed by Laxman Utekar. We're sharing some Narayangaonkar's life. She formed her own Lavani Narayangaonkar was born on July 1, 1935, in Maharashtra. Her maternal grandfather, Narayan Vithabai's father ran the troupe. Vithabai had a school at the age of four and began touring with her training, she learned to sing, dance, and act by opened her own Lavani troupe. She kept her promise Nayarangavkar's father passed away in 1957, she Vithabai had promised him that she would never give She kept this promise to the end. Vithabai married a bookings and other errands. Vithabai focused all her all day and commit domestic violence. Despite this, Vithabai remained undeterred and continued to pursue her art. She did not give up Lavani even after nine months of pregnancy. Once, when Vithabai took to the stage, everyone was astonished. She was pregnant at the time. Everyone was stunned by her courage. Vithabai began performing on stage when suddenly, she experienced labor pains. Without saying a word to anyone, she quietly went backstage and gave birth to a baby girl. She even cut her umbilical cord with a stone and came back to dance on stage. When the audience learned that Vithabai had just returned to the stage after giving birth, they were so emotional that they stopped the show. The audience praised her courage. She declined Raj Kapoor's film offer - The great Hindi filmmaker Raj Kapoor was astonished when he saw Vithabai Nayarangavkar's talent. The showman offered Vithabai to work in Hindi films. But Vithabai, keeping her promise to her father that she would not give up Lavani, politely declined Raj Kapoor's offer. In 1962, she performed Lavani for the soldiers of the Indian Army during the Indo-China war in 1962. In this performance, she told the Indian Army soldiers that the whole of India was with them and greatly boosted their confidence. She ruled the stage for five decades - Vithabai Narayangaonkar, who began as a child artist in the 1940s, dominated the world of Tamasha and Lavani for nearly five decades. She became a prominent figure in this folk art form in the 1950s and 1960s. Even in the changing times, her popularity remained intact until the 1990s. Vithabai, who ruled the hearts of audiences for five decades through Lavani dance, spent her final years in poverty and hardship. When she died in 2002, her family didn't even have enough money to transport her body from the hospital. This saddened many. Yet, Vithabai is still remembered for her passion and Lavani dance, having received numerous awards during her lifetime.



her life. Night has fallen. The light from the shines far and wide. Colorful curtains adorn throughout. The audience's applause is stage. Suddenly, she experiences labor pains, to the stage to perform Lavani. This isn't a of Maharashtra's renowned Lavani dancer, starrer "Eetha" is based on her life. The film is unheard stories from Vithabai troupe at the age of 13. Vithabai Pandharpur village, Solapur district, Khude, founded an art troupe. Later, passion for Lavani since childhood. She left father's Lavani troupe. Without any formal observing. In 1948, at just 13 years old, she to her father throughout her life. When Vithabai was deeply shocked. Before her father's death, up Lavani and would always entertain people. man named Maruti Sawant, who handled her attention on Lavani, while Maruti would drink

## Kareena Kapoor challenged Bumrah, played cricket with son Taimur; said, "Don't take it lightly."

Kareena Kapoor showed off her bowling skills with her eldest son, Taimur Ali Khan. She also jokingly challenged Indian cricketer Jasprit Bumrah. Bollywood actress Kareena Kapoor Khan shared some photos of herself Khan, on her social media handle. She and also jokingly challenged Jasprit some adorable photos of herself playing Instagram. She jokingly challenged jokingly wrote, "Don't underestimate Taimur is a fan of Rohit and Virat. very fond of cricket. Taimur often asks Kohli so that he can order a cricket bat star Lionel Messi, to which Kareena Kareena will be seen in 'Dayara' - Meghna Gulzar's film 'Dayara'. In this South actor Prithviraj Sukumaran for together in the role of police officers in



playing cricket with her son, Taimur Ali bowled with her eldest son during a match Bumrah. Kareena's post: Kareena shared cricket with her son, Taimur, on her India's star fast bowler, Jasprit Bumrah. She my talent. I can even compete with Bumrah." Kareena revealed that her son, Taimur, is Kareena if she knows Rohit Sharma or Virat from them. Taimur even asks about football laughingly denies that she doesn't know him. Kareena Kapoor will soon be seen in director crime thriller film, she is working with famous the first time. Both these actors will be seen this film.